तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय
एसएसजी सीआईएसएफ सूरजपुर

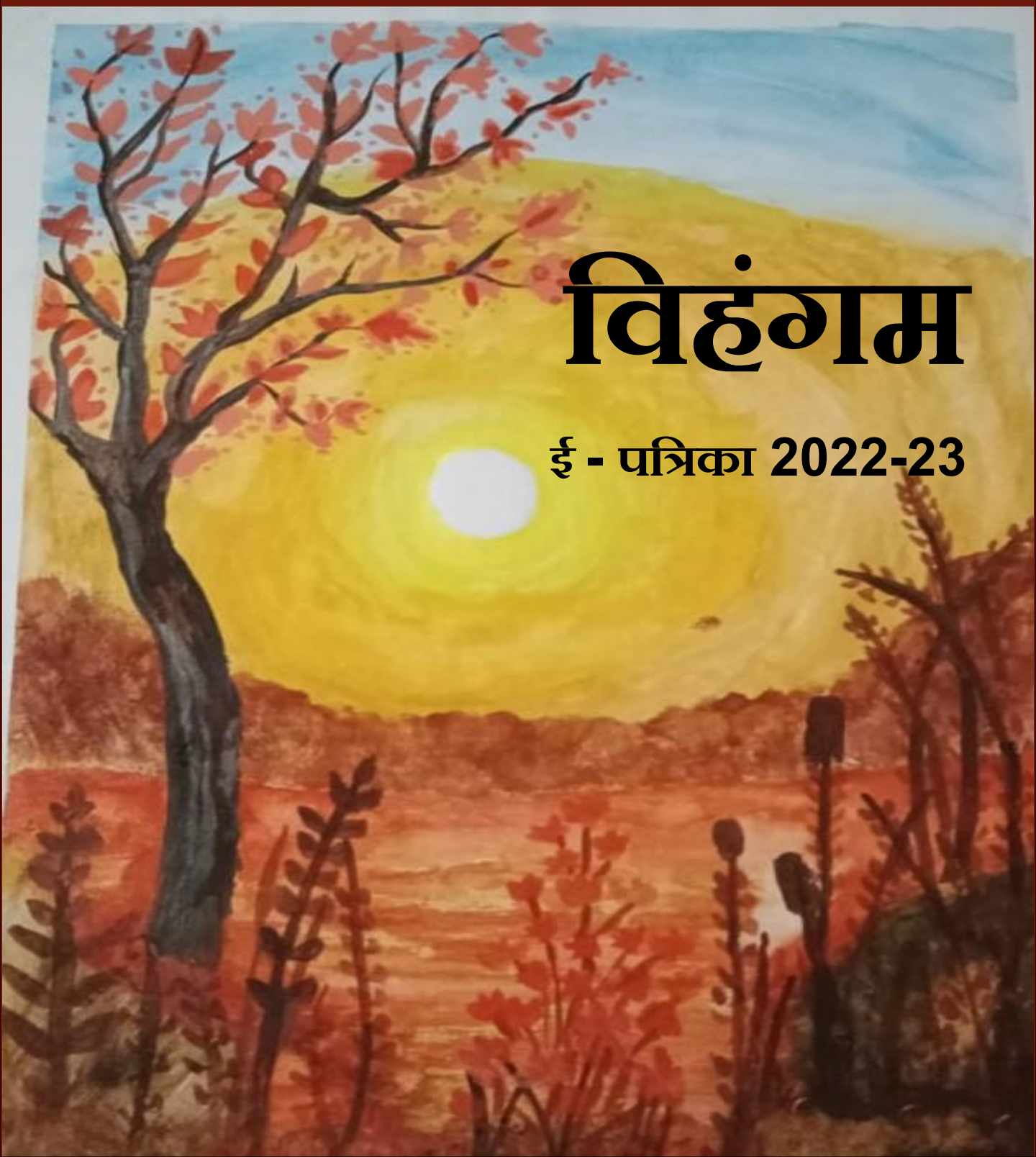

विहंगम

ई - पत्रिका 2022-23

OUR PATRONS

Sh. S K Mallik,
Chairman KV CISF Surajpur

Sh. Tajuddin Shaik
Deputy Commissioner, RO Agra

Sh. M L Mishra ,
Assistant Commissioner RO Agra

Sh Rajkumar,
Assistant Commissioner RO Agra

Mrs. Priyanka Tyagi
Principal KV CISF Surajpur

Editorial Board

Smt. Kiran Tiwari, TGT English

Smt Neetu Sharma, TGT Hindi

Smt Sushma Sharma, PRT

Ms Priyanka Yadav, PRT

DIG Saroj Kant Mallick

Deputy Inspector General
SSG CISF Surajpur,
Greater Noida 201306
Uttar Predaeh

MESSAGE

It gives me immense pleasure to know that KV SSG CISF Surajpur is bringing out its first issue of e-magazine. It is a brilliant opportunity for budding poets, writers and artists to show their hidden talent in the realms of linguistic and artistic creativity.

With the announcement of the New Education Policy 2020, the focus has shifted to practical orientation of knowledge. To achieve this goal, a multidisciplinary approach is the need of hour. This e-Magazine will enable them to acquire essential knowledge, skills and values.

I compliment the initiative taken up by the Principal and teachers for bringing out this edition of the E magazine. I am sure this Vidyalaya will tread the path of excellence and attain glorious records in years to come. I extend my warm wishes to Principal, faculty and the students of the Vidyalaya.
Jai Hind!

(Saroj Kant Mallick)
Chairman KV SSG CISF Surajpur

उपायुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
क्षेत्रीय कार्यालय आगरा

संदेश

केंद्रीय विद्यालय एसएसजी सीआईएसएफ सूरजपुर द्वारा विद्यालय ई–पत्रिका २०२३-२४ का प्रकाशन किया जा रहा है,यह अत्यंत हर्ष का विषय है।

केंद्रीय विद्यालय का उदेश्य विद्यार्थियों की रूचि, प्रतिभा और उनकी मनोवृति का ध्यान रखते हुए उनका चहुमुखी विकास करना और सर्वोतम शिक्षा प्रदान करना है | विद्यार्थियों की रचनात्मक एवं सृजनात्मक प्रतिभा के साथ-साथ विद्यालय की अनेक गतिविधियों की झलक विद्यालय पत्रिका के माध्यम से देखी जा सकती है| आशा है कि ई -पत्रिका के माध्यम से अन्य विद्यार्थी भी रचनात्मक चिंतन हेतु प्रेरित होंगे|

प्राचार्य, केंद्रीय विद्यालयएसएसजी सीआईएसएफ सूरजपुर अपने कुशल मार्गदर्शन हेतु, संपादन मंडल अपनी कर्मठता हेतु एवं विद्यार्थी अपने सृजनात्मक कौशल हेतु बधाई के पात्र है | पत्रिका प्रकाशन के अवसर पर मै सभी को बधाई प्रेषित करता हूं |

शुभ कामनाओं सहित |

(ताजुद्दीन शेख)

उपायुक्त

प्राचार्या की कलम से

"तत्कर्म यन्न बंधाय सा विद्या या विमुक्तये"

अर्थात जो बंधन उत्पन्न न करे वह कर्म है और जो मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करे वह विद्या है।

मेरे लिए यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय सीआईएसएफ सूरजपुर वार्षिक ई-पत्रिका "विहंगम" प्रकाशित करने जा रहा है। । विद्यालय में शिक्षण कार्य के साथ साथ छात्र छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु अनेक गतिविधियां वर्ष पर्यंत चलती रहती हैं । पत्रिका विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों का दर्पण है। इस पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रचनाएँ नि:संदेह प्रशंसनीय हैं| इनकी रचनाएँ इन्हें मौलिकता तो प्रदान करती ही हैं, साथ ही उनके व्यक्तित्व का भी विकास करती है| मैं इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ। मुझे विश्वास है कि ये आगे चलकर प्रबुद्ध, देशभक्त एवं विविध कौशलों से परिपूर्ण सभ्य नागरिक बनेंगे एवं समाज और देश के विकास में अपना यथासंभव सक्रिय योगदान देकर अपने मानव जीवन को सफल बनाएँगे।

मै इस अवसर पर केन्द्रीय विद्यालय संगठन के समस्त अधिकारीगणों, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री सरोज कांत मल्लिक व अन्य सभी सदस्यों एवं अभिभावकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ जिनके दिशा निर्देशन एवं सहयोग से यह विद्यालय उन्नति के पथ पर अग्रसर है।

अंत मे इस पत्रिका के स्वरूप को निखारने में प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए सभी सदस्यों को धन्यवाद देती हूँ जो सदैव विद्यार्थियों को नवाचार हेतु प्रोत्साहित करते रहते है और उनके स्वर्णिम लक्ष्य को प्राप्य बनाने में सदैव संकल्पबद्ध रहते है।

शुभकामनाओं सहित

प्रियंका त्यागी
प्राचार्य

From The Editorial Desk

Dear Readers Greetings to all.

“The heart of education is the education of the heart”. To nurture talent of children we have to realise the wealth of sympathy, kindness and generosity hidden in soul of a child. The effort of every educator should be to unlock the hidden treasure and school magazine is the best way for it. We are please to put an effort to bring out hidden talent of the blooming buds through this edition of E-magazine. This magazine is the a records of the efforts of children, their emotions, thinking's, dreams and aspirations for their future life. Hope you all would love it. Happy reading and give wings to your dreams.

With best wishes.

Kiran Tiwari
Editor Team

Smt. Kiran Tiwari
TGT English

Smt. SUSHMA SHARMA
PRT

PRIYANKA YADAV
PRT

MRS.NEETU SHARMA
TGT (HINDI)

ANAMIKA
Computer Instructor

"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए," -स्वामी विवेकानंद

मेरा निपुण भारत

चमन में इल्म का पौधा उगाना है
हमे मिलकर निपुण भारत बनाना है
मिले हैं लक्ष्य जो मानिन्द जुगनू के
सभी बच्चों को उनसे जगमगाना है।
बहुत हैं होनहार अपने सभी शिक्षक
इन्हें जो लक्ष्य है माथे लगाना है।
सभी तालीम की खुशबू से भर जाएं।
हर इक स्कूल में वो गुल खिलाना है।
पकड़ लेंगे ये रफ़्तार पढ़ाई की
हमें ये हौसला इनका बढ़ाना है।
टिका है देश का इन पर ही मुस्तकविल
हमें मजबूत हर कंधा बनाना है
अंधेरी रात में अब रोशनी होगी
फलक को चांद तारों से सजाना है।
हमे मिलकर निपुण भारत बनाना है

-सुषमा शर्मा,
प्राथमिक अध्यापिका

दर्द

दर्द.....
कितनी अद्भुत – सी संवेदना है न ?
अनुभूति है जीवंत बने रहने की
अभिव्यक्ति है ज्वलंत मर्म की
परिधि है सूक्ष्म छिपी जीव भाव की
जिसके अभाव में निर्जीव है मन
जिसकी उपस्थिति में सजीव है अन्तर्मन
मुखर-प्रखर,स्वच्छंद वियोग से बहता है
निर्विघन,निर्बाध,निर्जीव के लिए संजीवनी बन
प्राणफूँकने का काम करता है दर्द !
दर्द ही जीवन का मर्म है क्योंकि
दर्द ही अस्मिता है "मै ! जिंदा हूँ।" के भाव की ।

-प्रियंका यादव
(प्राथमिक शिक्षिका)

सूरजपुर गाँव

सूरजपुर के गाँव में, सीआईएसएफ की छाँव में

ज्ञान के प्रकाश पुंज को फैलाने

केन्द्रीय विद्यालय सूरजपुर की ज्योति जली

अरुण की रश्मियों से, स्वर्णिम आभाओ से,

प्रकाश की धाराओ से मंद-मंद बयार बही।

सर्वगुण सम्पन्न प्राचार्या की शख्सियत की छत्र छाँव में

शिखा की शिराओं से, अनीता के अनुग्रह से, एकता की विनम्रता से,

सुषमा के नैसर्गिक सौंदर्य से, प्रियंका के प्रिय वचन से,

आशीष के शुभाशीष से

नवांकुर नई पौध मुस्कुरायी है नये गीत गुनगुनाई है।

किरण की रश्मिका से, अर्चना के अर्चन से, श्रद्धा के सुमन से,

नीतू के भाषाविद सौंदर्य से, ज्योतिपुंज की रसधार लिये

सरिता की अविरल धारा बही।

सतीश की ऋचाओं में, संदीप की कलाओं में,

शैलेन्द्र की क्रीड़ाओ में, रोहित की योग कलाओं में,

प्रेमलाल की प्रिय रोशनी में, उपवेद की स्वरलहरियों में

नित नई कविता गढ़ता है,

मेरा विद्यालय यौवन की ओर बढ़ता है।

सदफ, अनामिका, कल्पना, सुरभि की मंद-मंद बयार बही,

केन्द्रीय विद्यालय सूरजपुर के गाँव में, सीआईएसएफ की छाँव में,

दिव्य ज्ञान ज्योति जली, हमारा विद्यालय की प्रतिष्ठा पल-पल आगे बढ़ी।

रचना सिंह
लाइब्रेरीअन

हिंदी

हिंदी हमारी मातृभाषा है,
कुछ नया सीखने की अभिलाषा हैं,
हिन्दी की आभा बनाए रखना,
यही हमारी जिज्ञासा है|
जन - गण की आशा है हिन्दी,
सबसे सरल भाषा है हिन्दी,
तिरंगे की शान हैं हिन्दी,
भारतीयों का अभिमान हैं हिन्दी|
हिन्दी को उंचाईयों तक पहुँचाना है,
यह संकल्प हमने ठाना है,
हिन्दी को गर्व से अपनाना है,
हिंदी को अपनी भाषा हमने माना है|
हिन्दी को पूरे संसार में फैलाना है,
यह हम भारतवासियों ने ठाना है,
हिन्दी को बोलने में नही शर्माना हैं,
यह हमने मन से माना हैं|
जिसको बोलने में घबरातें नहीं,
अपनी बात कहने में शर्माते नहीं,
साहस का स्त्रोत हमारी;
हिन्दी भाषा सबसे न्यारी,
हिन्दी भाषा सबसे प्यारी।

~ प्राची प्रिया (9)

शिक्षा की पहचान

शिक्षा सरोवर का रस पीने वाला है सर्वोतम,
इसको ग्रहण करने वाला बन जाता है उत्तम,
गुरुजनों की शिक्षा की बात है जिसने मानी,
इसके रस को पीने वाला बन जाता है ज्ञानी,
शिक्षा के माध्यम से आज पहुँचे हम चाँद पर,
इसके जरिए बनाया गया कुश्ती मैदान सागर पर,
औषधि, जल, हवा, खतरनाक गैसों का बोध कराती,
स्वस्थ, अच्छा खाना, कसरत करने का पाठ पढ़ाती,
कभी ख्वाब देखते थे हम आसमान में उड़ने का,
आज ज्ञान से दम रखते हैं हम मंगल पर रहने का,
ये कभी ना खत्म होने वाली है हमारी धरोहर,
डॉक्टर, इंजीनियर, उद्योगपति ये हैं इसकी मोहर,
शिक्षा दृढ़ संकल्प, समर्पण, त्याग करना सिखाती है,
जीवन में क्या गलत क्या सही का पाठ पढ़ाती है,
आओ करें संकल्प अपने को ज्ञानी बनाएंगे,
अपने भारत को सोने की चिड़िया सा चमकाएँगे|

द्वारा –पुष्टि पुरी
कक्षा –सातवी

शिक्षा अभिसार अनूठा है

शिक्षा अभिसार अनूठा है,
कोई जाति नही, कोई धर्म नहीं, शिक्षा अभिसार अनूठा है,
हर एक बच्चे मे राम रहीम हर एक में कुरान-गीता है।
रहने दो बचपन मे मुझकों, साँसें खुली-सी बहती है,
तेरा-मेरा कोई भेद नहीं, ये हर पल मुझसे कहती है ।
मन छोटा-सा अभिसार बड़ा था, सब कुछ समेट लेने की चाहत मे,
सब सीखा हमने बचपन मे, जीवन बढ़ने की राहों में ।
जब तक पुस्तक थी हाथो में, कोई भेद नही जाना मन में,
जब लगा कि अब सब सीख लिया खिच गई लकीरें फिर मन मे ।
तेरा-मेरा और स्वार्थ भाव का, मतलब तक न खोजा था,
आज पलटते पन्नों को, अपनी ही तस्वीर मे ।
जो पाया उसका मोल नहीं, जो खोया उसका रोना है,
बस अतंर मन मे संघर्ष यही सब मेरा मुझसा होना है।
और फिर बचपन की यादे, जब लौट जहन में आती है,
फिर बात वही मन के कोने में, चुपके से कह जाती है....
रहने दो बचपन मे मुझको, साँसे खुली-सी बहती है ।
रहने दो बचपन में मुझको, साँसे खुली-सी बहती है।
तेरा मेरा कोई नही , ये हर हर मुझसे कहती है

वैष्णवी बिष्ट
कक्षा-सातवी

कोशिश

कोशिश कर कोशिश कर हल निकलेगा.

आज नहीं तो कल निकलेगा।

अर्जुन सा लक्ष्य रख निशाना लगा मरुस्थल से भी फिर, जल निकलेगा।

मेहनत कर पौधो को पानी दे बंजर में भी फिर फल निकलेगा।

ताकत जुटा, हिम्मत को आग देफौलाद का भी दल निकलेगा।

कोशिशें जारी रख, कुछ कर गुजरने की जो कुछ बना चुका है. हल निकलेगा।

कोशिश कर हल निकलेगा, आज नहीं तो कल निकलेगा।

-इशान अंकुर सिंह आजाद

कक्षा -5

बेटियाँ

गुलाब की कली की तरह नाजुक होती है बेटियाँ,
खिलते हुए फूलों की तरह मुस्कुरातीं है बेटियाँ,
हर मुश्किल को झट से आसान कर जाती है बेटियाँ,
माँ-पापा के दिलो में बसती है बेटियाँ।

क्या लिखू कि परियो का रूप होती है बेटियाँ,
या सर्दियों में सहानी धूप होती है बेटियाँ,
बोये जाते बेटे उग जाती है बेटियाँ,
खाद पानी बेटो को पर लहराती है बेटियाँ।

फिर भी लोग पैदा होने से पहले मार देते है इन्हें,
एक दिये के समान होती है बेटियाँ।
आओ आज मिलकर संकल्प करे की इन्हे जीने दें।
क्योंकि आने वाला कल सुधारेगी बेटियाँ।

रीत राघव
कक्षा –सातवी

मम्मी की बात!

यह बात एक 7 साल की बच्ची की है जिसका नाम गुनगुन था। गुनगुन बहुत ही समझदार और ईमानदार थी। एक दिन वह स्कूल जाने के लिए तैयार हो रही थी। तभी उसने अपनी मम्मी को आवाज़ लगाई। मम्मी मेरा खाना ले आओ, जल्दी! उसकी मम्मी ने कहा, हाँ, बेटा लाई। गुनगुन खाना खाकर अपने स्कूल चली गई, आज उसकी एक प्रतियोगिता थी जिसमें उसने भाग लिया था। वह प्रतियोगिता दौड़ की थी। वैसे ही दौड़ शुरू हुई। सभी बच्चे गुनगुन से आगे निकल गए और गुनगुन पीछे रह गई। वह बहुत दुखी हुई उसे ऐसा लगने लगा था जैसे वह हार गई, पर तभी ही उसे अपनी मम्मी की बात याद आई। उसकी मम्मी कह रही थी कि बेटा तुम्हें अपनी दौड़ में बहुत मुश्किलें मिलेंगे। पर तुम्हें उनसे हारना नहीं है। यह बात याद रखना की हारने में और हार मान लेने में बहुत अंतर होता है। तभी गुनगुन दौड़ती चली गई। उसने किसी पर ध्यान नहीं दिया और आखिर में वह प्रथम आई। शिक्षा- कभी हार मत मानो जिंदगी में मुश्किल आती है। उन्हें बस हारना है।

-लावण्या सिंह

पेड़ की कहानी

एक बच्चा था। उसे पेड़ से बहुत लगाव था। एक दिन उसे एक पेड़ ने बुलाया और कहा आओ बच्चे मेरे फल खाओ लड़का गया और उस पेड़ के फल तोड़ कर चला गया। फिर वह लड़का बहुत साल बाद आया। पेड़ ने कहा, आओ बच्चे और मेरी डाली पर झूलो लड़के ने कहा, अब मैं बच्चा नहीं हूं। अब मैं बड़ा हो गया हूं। मुझे पैसा चाहिए। क्या तुम मुझे पैसा दे सकते हो। पेड़ ने कहा, मुझे माफ करो। मैं तुम्हें पैसा नहीं दे सकता। पर तुम मेरे फल तोड़कर बाजार में बेचो । फिर तुम्हें पैसा मिलेगा। फिर लड़के ने पेड़ के फल तोड़कर बाजार में बेचा फिर लड़का कई सालों बाद आया। फिर पेड़ उसे देखकर बहुत खुश हुआ। फिर पेड़ ने कहा, अब मैं मेरे पास कुछ नही है। पत्ते के अलावा अब मैं तुम्हें कुछ नहीं दे सकता। लड़के ने कहा, अब मैं बुड्ढा हो चुका हूं। अब मुझे बस आराम चाहिए।

नाम- हर्ष
कक्षा-4

संस्कृत

सरस्वती वन्दना

1) या कुन्देन्दुतुषारहार धवला या शुभ्रवस्त्रावृता, या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना। या ब्रह्माच्युतशंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता, सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा ॥

भावार्थ- माँ भगवती सरस्वती जो विद्या तथा ज्ञान की देवी हैं कुन्द के फूल, चन्द्रमा, हिमराशि और मोती के हार की तरह धवलवण कीं हैं तथा जो हमेशा श्वेतवस्त्र धारण करतती है उनके हाथ में वीणादण्ड सुशोभित रहता है एवं श्वेत कमलों पर आसन ग्रहण किए हुए हैं और भगवान ब्रह्मा विष्णु एवं शंकर आदि देवताओं द्वारा हमेशा पूजी जाती है, वही सम्पूर्ण जड़ता तथा अज्ञान को दूर करने वाली माँ सरस्वती हर विपत्ति से हमारी रक्षा करे |

(2) शुक्लां ब्रह्मविचारसार परभाग खाद्यां जगद्व्यापिनीम् । वीणापुस्तकधारिणीमभयदां जाड्यान्धकारापहाम् || हस्ते स्फटिकमालिकां विद्धतीम् पद्मासने संस्थिताम् । वन्दे ता परमेश्वरी भगवतीं बुद्धिप्रदां शारदाम् ||

भावार्थ जिस देवी का रूप सफेद, है, जो बलविचार का परम तत्त्व हैं, आदिशक्ति हैं, सभी भयों से अभयदान देने वाले देव, भय को नष्ट करने वाली, जो ज्ञान को हमेशा इस संसार में फैलाती रहती हैं, जो वीणा, स्फटिक को माला और पुस्तक को हाथों में धारण किए हुए है। पद्मासन पर विराजमान बुद्धिप्रदान करने वाली माँ शारदा ! मैं आपकी वन्दना करता हूँ |

सङ्कलनकर्ता
सतीश चन्द्र शर्मा

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, (संस्कृत)

वर्षाकाल :

मित्रै: मुदित: गायति बाल : ।
वर्षाकाल : वर्षाकाल: ॥
मित्र मुदित: गायति बालः ।
वर्षाकाल : वर्षाकाल : ।

प्रवहति नदीजलं हर-हर-हर ।
सर सर वहति समीरः ॥
वने उपवने तरुशाखायां ।
कूजति मधुरं कीर : ॥
गर्जति घन: मयूर : नृत्यति ।
गगने गतः मराल : ॥

मित्र मुदितः कूर्दत बालः ।
वर्षा काल: वर्षाकालो
मित्रै: मुदित: गायति बाल:
वर्षाकाल: वर्षाकाल:

संकलनकर्त्री लिपि यादव
कक्षा - छठी

भवतु भारतम् |

शक्तिसम्भृतम् युक्तिसम्भृतम् ।
शक्तियुक्तिसम्भृतं भवतु भारतम् ॥

शस्त्रधारकं शास्त्रधारकम् ।
शस्त्रशास्त्रधारकं भवतु भारतम् ॥

रीतिसंस्कृतं नीतिसंस्कृतम् ।
रीतिनीतिसंस्कृतम् भवतु भारतम् ॥

कर्मनैष्ठिकं धर्मनैष्ठिकम् ।
कर्मधर्मनैष्ठिकम् भवतु भारतम् ॥

भक्तिसाधकं मुक्तिसाधकम् ।
भक्तिमुक्तिसाधकं भवतु भारतम् ॥

भारतम् भारतम् भवतु भारतम् ॥

संकलनकर्त्री - पुष्टि पुरी
कक्षा - सप्तमी

संस्कृतभाषाया: महत्त्वम्

1)संस्कृत भाषा अस्माक देवानाम्
भाषा' अस्ति।
2) प्राचीनकाले सर्वे एवं भारतीय संस्कृतम एवं व्यवहारं
कुर्वन्ति स्म।
३) कालान्तरे विविधाः प्रान्तीयाः भाषाः प्रचलिता: अभवन्
किन्तु संस्कृतस्य महत्त्वम् अद्यपि अक्षुण्णं वर्तते।
४) संस्कृतभाषा भारतराष्ट्रस्य एकताया: आधार अस्ति !
(4) अस्य व्याकरणे सर्व पूर्णत: तर्कसम्मतं सुनिश्चितं च अस्ति।
६) संस्कृतभाषैव भारतस्य प्राणभूताभाषा अस्ति सर्वे प्राचीन
ग्रन्थाः चत्वारो वेदोशच संस्कृत भाषायामेव सन्ति।
अतएव उच्यते - संस्कृतभाषा !!

संकलनकर्त्री - आराध्या
कक्षा : सातवी

संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्

संस्कृतभाषा विश्वस्य सर्वासू भाषासु प्राचीनतमा सर्वोत्तमसाहित्यययुक्ता चास्ति |संस्कृता परिशुद्धा व्याकरणसम्बधि दोषाविरहिता निगद्यते। प्राचीन समये सबैब भाषा सर्वासाधारणा आसीत् । सर्वे जनाः संस्कृत- भाषाम् एव वदन्ति स्म । एषा एव अस्माकं पूर्वजानाम् आर्याणां सुलभा, शोभना, गरिमामयी च वाणी। संस्कृतभाषायामेव विश्वसाहित्यस्य सर्वप्राचीनग्रथा: चत्वारो वेदा: सन्ति येषां महत्त्वमद्यापि सर्वोपरि वर्तते। भास - कालिदास - अश्वघोष - भवभूति दण्डि सुबन्धु- बाण - जयदेव प्रभृतयों महाकवयो नाटककाराश्च संस्कृतभाषायाः एव जीवनस्य सर्वसंस्कारेषु संस्कृतस्य प्रयोग : भवति । अधुनाऽपि सङ्कणकस्य संस्कृतभाषा अति उपयुक्ता अस्ति। संस्कृतभाषैव भारतस्य प्राणभूत भाषा अस्ति। संस्कृतभाषा भारतीय - गौरवस्य रक्षणाय एतस्याः प्रसारः सर्वैश्व* कर्तव्यः । अत एव उच्चते- ' संस्कृति: संस्कृताश्रिता ।

संकलनकर्त्री - प्रिया.
कक्षा - आठ

संस्कृतिः - अस्माकं परिचयः
गौरवं च

| भारतस्य संस्कृतिरेव अस्माकं परिचयः वर्तते |
भारतदेशस्य संस्कृतिः सुतरां प्राचीन, गौरवपूर्णा च वर्तते | अस्यां संस्कृतौ न केवलं मानवानां हितसंरक्षण - वार्ताः समुस्थापिताः वर्तन्ते, अपितु अत्र पशु-पक्षिणां, सर्वेषां जीवानां हितविषयाः सञ्चर्चिता वर्तन्ते|

इयं संस्कृतिः एकत्र भारतस्य महिम्नः वर्णनं करोति, अपरत्र अस्य वैभवपूर्ण विपुलवामयं समुपवर्णयति | भारतस्य दर्शनमात्रेण, आचरण- माध्यमेन च संस्कृतिः संकोलिता भवति, अस्याः परिचयः च ज्ञायते | भारतदेशे एवं भूताः जनाः समुत्पन्नाः वर्तन्ते ये स्वकीयं कर्तव्यं तु आमनन्त्येव परं च अन्येषां हितभावम् अपि आत्मनि संधारयन्ति |

अस्माकं संस्कृति-विषये यदि विचारयामः तर्हि संस्कृतिः कीदृशी अस्ति वयं सत्यनिमित्तं सर्वस्वं समर्पयामः | तत्र हरिश्चन्द्रादयः अनेके राजानः तस्य संरक्षणाय स्वीयं सर्वं राज्यं, आत्मनः च परित्यागं कृत्वन्तः |

अस्माकं संस्कृतिः बहुप्रकारिका :-

- त्यागस्य संस्कृतिः
- समर्पणस्य संस्कृतिः
- आदर्शपरिपालनस्य संस्कृतिः
- धर्मस्य संस्कृतिः
- अस्माकं संस्कृति परोपकारस्य संस्कृतिः वर्तते

संकलनकर्त्री -अम्बिका राज

कक्षा - आठ

ENGLISH

“ SUCCESS IS NOT FINAL, FAILURE IS NOT FATAL : IT IS THE COURAGE TO CONTINUE THAT COUNTS ”

My Mother

My mother kept a garden,
A garden of the heart,
She planted all the good things,
That gave my life its start.
She turned me to the Sunshine,
And encouraged me to dream,
Fostering and nurturing
The seeds of self esteem.....
Her constant good example
Always taught me right from wrong
Markers of my pathway,
That will last a lifetime long
I am my Mother's garden,
I am her legacy-----
And I hope today she feels the love
Reflected back from me.....
Add mother pic and font size

-Ishanvi Singh Azad (class- 1ST)

Friendship

A friend is pleased to see you.
Friendship is based on care.
A friend won't leave you high & dry.
A true friend's always there.

- Raj

Thank You, O God

God made the sun.
God made the tres.
God made the mauntains,
And God made me.
For the sun and the trees.
For making the mountains.

- Shourya

MY DEAR DADDY

MY DEAR DADDY
I LOVE YOU A LOT
NOW YOU ARE AWAY
I MISS YOU A LOT
WHEN WILL YOU COME
I WANT TO KNOW.
WHAT I HAVE LEARNT
I WANT TO SHOW.
I PRAY TO THE SUN
AND I GAZE AT THE MOON
I SEE YOU IN MY DREAMS
PLEASE COME BACK SOON.

PRISHA PRITAL(class- 2ND)

My Mother

My mother has been my
inspiration from day one
She in the one who taught me to
shine like the sun
She knows what in wrong and
right
She tells me to always be polite
My mother is the best.

-Amarjeet kumar sah(class -2)

MOTHER

You filled my days with rainbow lights,
Fairy tales and Sweet dream night,
A kiss to wipe away my tears,
Gingerbread to Case my fears.

You gave the gift of my life to me,
And then in love, you set me free.
I thankyou for your tender Care,
for deep warm hugs and being there
I hope that when you think of my.

A Part of you
you'll always see...

Anushka(8th)

THE VOICE...

There is a voice inside of you
That whisperes all day long,
"I feel that this is right for me,
I know that his wrong.
No teacher, preacher, parent, friend.
Or wise man can decide,
what's right for you,
just listen to To voice that speaks inside.

-SHIVI TOMAR(9th)

TO ALL THE TEACHERS

FROM HAND HOLDING
TO SCREEN SHARING
FROM CHALK TO CHAT
FROM BLACKBOARD TO WHITEBOARD
FROM REAL TO VIRTUAL
THE JOURNEY WAS DIFFICULT
BUT YOU DID NOT GIVE UP.
FROM OFFLINE TO ONLINE FROM KEEP QUIET TO SPEAK UP
FROM NO MOBILE
TO TURN ON YOUR MOBILE
FROM CONVENTIONAL TO TECHNICAL
THE JOURNEY WAS DIFFICULT BUT
YOU DID NOT GIVE UP. FROM NOTEBOOK TO SCREENSHOT FROM TEACHER'S ASSESSMENT TO SELF ASESSMENT
FROM CLASSROOM TO ZOOM
FROM SCHOOL TO HOME
THE JOURNEY WAS DIFFICULT
BUT YOU DID NOT GIVE UP.

Prachi Yadav(9th)

Thought

"SUCCESS IS NOT FINAL; FAILURE IS NOT FATAL: IT IS THE COURAGE TO CONTINUE THAT COUNTS."
- WINSTON S. CHURCHILL

"FAILURE IS SIMPLY THE OPPORTUNITY TO BEGIN AGAIN, THIS TIME MORE INTELLIGENTLY."
-HENRY FORD

"LIFE IS LIKE RIDING A BICYCLE. TO KEEP YOUR BALANCE YOU MUST KEEP MOVING."
-ALBERT EINSTEIN

'SOME PEOPLE WANT IT TO HAPPEN. SOME WISH IT WOULD HAPPEN, OTHERS MAKE IT HAPPEN."
-MICHAEL JORDAN

'I NEVER DREAMED ABOUT SUCCESS.I WORKED FOR IT." -ESTÉE LAUDER

-Prachi Yadav(9th)

Thoughts ...

** Trust is like a paper
Once it's crumbled
It can't be perfect

**
"U know why nature made
Eyes in Pairs
Ears in Pairs
Hands in Pairs
Legs in Pairs
But
Heart is single.....?
just to find it pair....."

**
Simple Maths
"2 get" and "2 give"
Creat many problems So,
just Double it.....
"4 get" and "4 give"
Solve many problems

Preksha (class 10)

Article

INDIA - Land of Natural Beauty

India is a country whose beauty is less abbrected that it is The natural beauty of india captivates everyone.
we
There are many river like Ganga, Jamuna narmata, Godavari Bramaputra etc.... to unchance the natural beauty in the. country of india. which add to the natural beauty the country also had many water fall snowy place which Add to the natural beauty even more, from Kashmir to Kanyakumari get to see natural beauty in undia we get to see different type of natural beauty in every state of undia people come for all over the country to see this natural beauty and people from abroad every year to see See the natural beauty of undia There are many such place in India.
also come

Aaradhya

GLOBAL WARMING

→→ Friend in today's wards the technology is at the highest level. The technology is increased day by day. Due to greater technology new vehicles including cars. bikes etc. are launched day by day. And these vehicles are causing much pallution.
=> Due to great amount of pollution the global warming is also increasing like technology day by day. Uzlobal warming is affecting the earth wry badly these days Que to excessive glakel warming ozone layer (pratective layer) is getting thinner day by day. And the earth and ozone layer will finish one day because of global warming. And the global warming is not only caused by the pallution but it also caused by some other factors such as deforestation etc. Orlokal warming also causes bad effects such as scarcity water etc. So we should do less pallution and do liss deffarestation and support grawing trees. We should also use cycles far shart distances such as 2-3 kilometers. we should save Earth. Stop! Irlabal warming Save Earth trrow trees.

AVIKA SION

The Power of Positive Thinking

The Power of Positive Thinking
Positive thinking is a mental attitude that focuses on the bright side of life and expects positive outcomes. It's a mindset that can greatly influence our emotions, actions, and overall well-being.

Positive Thinking and Mental Health:
One of the most significant advantages of positive thinking is its impact on mental health.Positive thinking can also reduce symptoms of anxiety and depression. It fosters feelings of hope and optimism, which can counteract the negative thought patterns that often accompany these mental health issues.

Enhancing Relationships:
With a positive attitude, we are more likely to be empathetic, understanding, and supportive. This, in turn, strengthens our connections with friends, family, and peer
Boosting Academic Success:
Students who believe in their abilities and maintain a positive attitude toward their studies are more likely to excel. They are motivated to set and achieve goals, overcome obstacles, and persist in the face of setbacks.

Resilience in Adversity:
Resilience doesn't mean avoiding adversity; it means facing it with courage and optimism. Positive thinkers embrace challenges as valuable experiences that contribute to personal development.

Cultivating Positive Thinking 🤔
Practice Gratitude: Take time each day to reflect on the things you're grateful for. This simple exercise can shift your focus from what you lack to what you have.

Challenge Negative Thoughts: When negative thoughts arise, challenge them with positive affirmations. Replace self-doubt with self-belief.

Surround Yourself with Positivity: Spend time with people who uplift and inspire you. Choose to engage in activities that bring you joy and fulfillment.

Learn from Setbacks: Instead of dwelling on failures, analyze them objectively and extract lessons for improvement.

Visualize Success: Imagine achieving your goals and visualize a bright future. This can motivate you to take action and make your dreams a reality.

In conclusion, positive thinking is a powerful tool that can transform our lives. By nurturing a positive mindset, we can face life's challenges with confidence and optimism, ultimately leading to a happier and more fulfilling life.

Kalpana Yadav
(Counselor)

THE PURPOSE OF EDUCATION

In modern times, People know the importance of education. Every Parent wants to educate his child. Yet, I wonder if we have yet realized what the real purpose of education is. I am afraid to most of us, it helps to earn more money and perhap mare respect in a society which values money and power. But even uneducated people have earned a lot of money and gained respect. I would therefore say that this earning and spending is not the real purpose of education. To my mind, education should help us to perfect our mind in four basic abilities. Pixst of them is the ability to express oneself orally and in writing. Second quality of an educated mind is clarity of thought. Third, he should be able to make valid jugements conflicting matters.The last and the most important thing is to learn what is important and unimportant in the world. The most common purpose of education is to gain knowledge and skills that will prepare individuals to led productive and fulfilling lives.

Name - Anita (Class - 8)

FITNESS FOR STUDENTS

"A healthy body has a mind healthy”
Researches has shown that a healthy body lead to a healthy mind. In a student life a healthy mind and body is essential to bring out full fotential of any •student A student whose aim to acquire knowledge m need a balance between mind and body. A healthy mind lead to good memory, good decision making, increase thinking capacity.
"A healthy body is equally important healthy mind."
Physical fitness means one's ability to execute daily activities with ofitimal, performance with the management of disease. Many students complain that they can not get time for physical fitness. A simple answer for this is to perform less time consuring and greater benefits activities. Make a form decision and make it habit.

Om Tiwas(9th)

VIDYALAYA ACTIVITES AT A GLANCE

National Girl Child Day

The National Girl Child Day was celebrated in our Vidyalaya on January 24 The Day was celebrated in Vidyalaya with sounds of Poems, speeches, slogans etc. about girls education, health and nutrition by students and teachers.

Shubhash Chandra Bose Jaynti

नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती (23 January 2023) महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद बोस की जयंती 23 जनवरी 2023 को हर्षोल्लास के साथ मनाई गई । विद्यालय के सभी सदस्यों ने नेताजी को श्रदधांजलि दे नमन किया एवं स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदानों को याद किया ।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

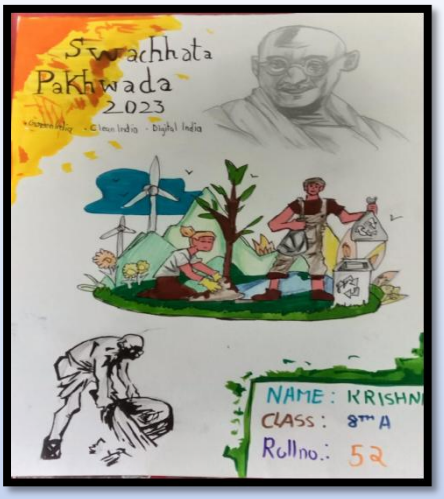

मातृभाषा दिवस

एक भारत श्रेष्ठ भारत

NEP 2020

National Education Policy 2020 Is based on the principal education must develop not only cognitive capacities- both the ‘foundational capacities’ of ‘higher- order ‘ cognitive capacities, such as critical thinking and problem solving – but also social, ethical, and emotional capacities and disposition.

Work Education Project work

Working model of wind power generation made by shrishti

Working model of solar panel made by Mayank Pandey

Working model of electric fan made by Aksha P. Goswami

Study lamp made by Garima

Working model of helicopter made by Kalash class-6th

Working model of door bell made by Diviyansh Vashith

Electric circuit to glow bulb made by Rohit class 8th

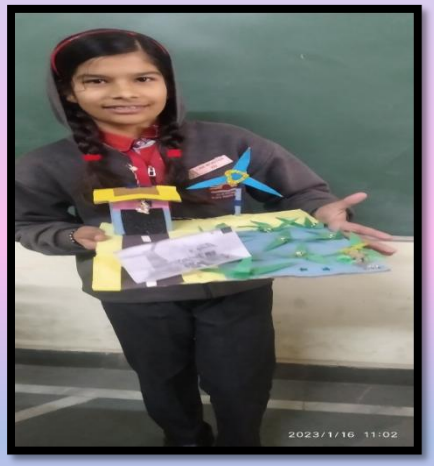

Working model of wind power generation made by shrishti 8th

Electric circuit to glow bulb made by class 8th Harsh

भारत स्काउट एवं गाइड गतिविधियाँ

"Hard work beats talent when talent doesn't work hard."

जन्म जहाँ पर, हमने पाया,

अन्न जहाँ का, हमने खाया,

वस्त्र जहाँ के, हमने पहने,

वह है प्यारा, देश हमारा,

उस देश की सेवा कौन करेगा,

हम करेंगे , हम करेंगे , हम करेंगे।

कसरत करके...- चुस्त रहेंगे

खेल कूदकर..... स्वस्थ रहेंगे

सेवा करके.. ..मस्त रहेंगे

SPORTS SECTION

Prize Distribution

Co-Curricular Activities

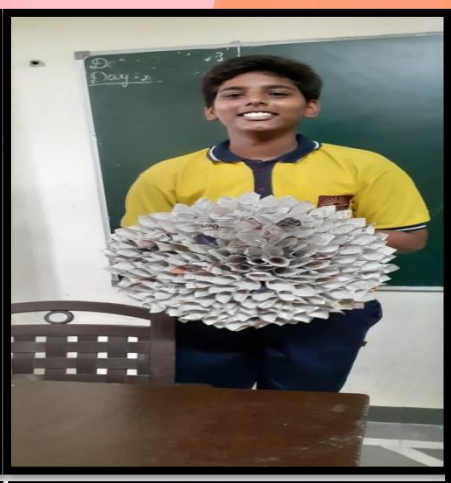

FUN DAY Activities

Maths Exhibition

SCIENCE EXHIBITION

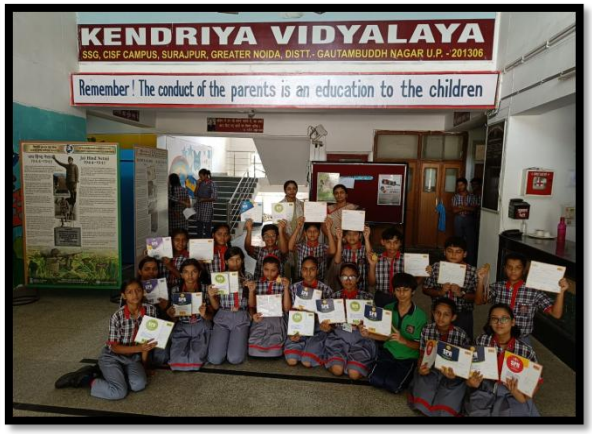

वृक्षारोपण

ART GALLERY

RADHIKA BHARDWAJ (XI)

Radhika(XI)

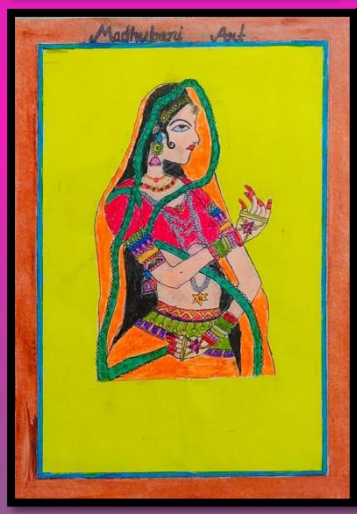
Madhubani Art

MD AKIB
CLASS-IV th

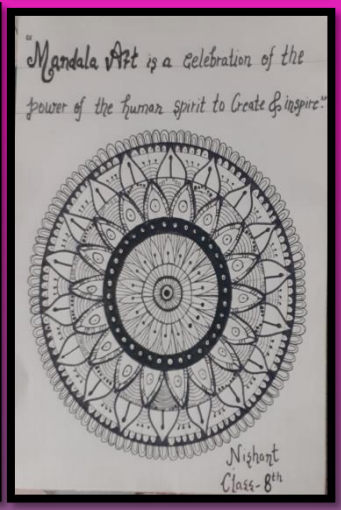
"Mandala Art is a celebration of the
power of the human spirit to Create & inspire."
Nishant
Class-8th
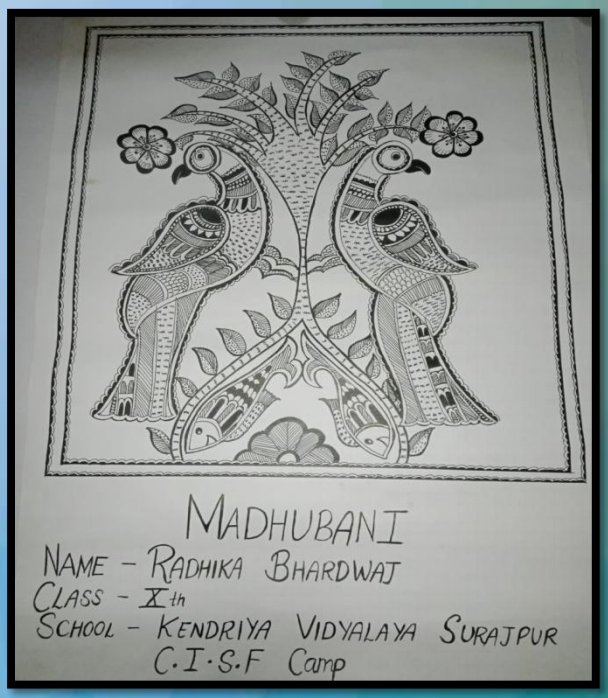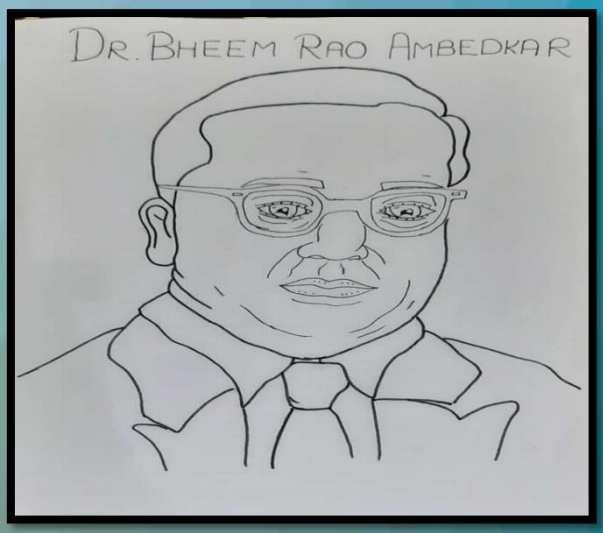
"Art is not what you see, but what you make others see."